

सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 276 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 16 नवम्बर, 2026

मूल्य ₹ 3/-



उच्च विचारों से कमज़ोरियां दूर होती हैं। हमें हमेशा उच्च विचार पैदा करते रहना चाहिए।
-नेताजी सुभाष चंद्र बोस

न्यूजीलैंड का 7 साल से चला आ रहा... 7 | राजस्थान से लेकर उत्तराखंड... 3 | जो जीतेगा, उसे मिलेगी ... 2

हिंदू वोटों पर किसने मारी कैंची

सीएम योगी के दावे से भाजपा के भीतर भूचाल!

» भाजपा के लिए दोधारी तलवार बन गया है मुख्यमंत्री योगी का दावा

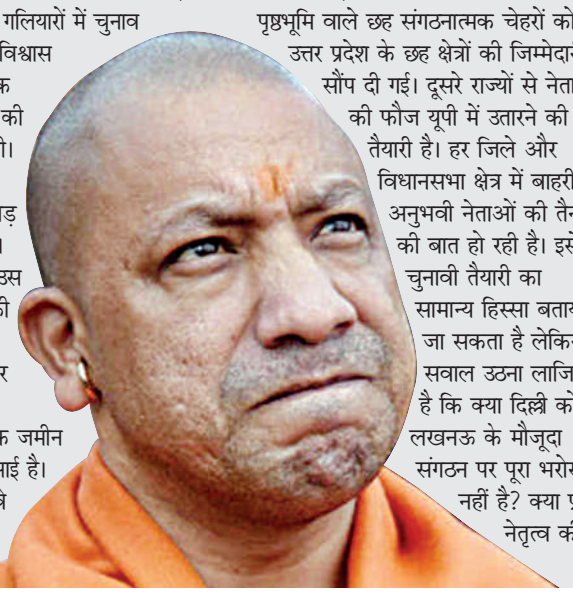
4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जिस भाजपा की राजनीति बूथ से शुरू होकर सत्ता के शिखर तक पहुंचती है। जिस पार्टी के लिए पन्ना प्रमुख से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक चुनावी मशीनरी का पुर्जा माना जाता है उसी भाजपा के सामने उत्तर प्रदेश में एक ऐसा सवाल खड़ा हो गया है जो विपक्ष के किसी आरोप से कहीं ज्यादा बेचैन करने वाला है।

सवाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उठाया है। दावा है कि उत्तर प्रदेश में 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब हैं। सवाल भी उन्होंने ही पूछा कि यह नाम गए कहां? किसने गायब किए? लेकिन इस सवाल की गूंज अब भाजपा के अपने संगठन के गलियारों में सुनाई देने लगी है। पार्टी के भीतर से ही पूछा जा रहा है कि जब बूथ-बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता तैनात थे जब मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर पार्टी मुख्यालय से निगरानी हो रही थी तब इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई? क्या कार्यकर्ता सो रहे थे? क्या संगठन की मशीनरी जाम हो गई थी? या फिर सत्ता के गलियारों में चुनाव जीतने का आत्मविश्वास इतना बढ़ गया कि जमीन पर वोटर की चिंता ही छूट गयी।

यह मामला सिर्फ 1.27 करोड़ नामों का नहीं है। यह भाजपा की उस चुनावी ताकत की परीक्षा है जिसके दम पर पार्टी उत्तर प्रदेश में लगातार अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करती आई है। मुख्यमंत्री के दावे के बाद भाजपा के भीतर से उठे सवालों ने कहानी को और गंभीर बना दिया है। पार्टी के पास 1.61 लाख से ज्यादा बूथ लेवल एजेंट थे। सपा और बसपा के मुकाबले संख्या भी ज्यादा थी। फिर चुनाव आयोग के एक अधिकारी के हवाले से यह खबर क्यों आई कि इस बार बूथों पर सपा के कार्यकर्ता भाजपा से ज्यादा सक्रि य दिखाई दिए। अगर यह आकलन सही है तो भाजपा का बूथ मैनेजमेंट आखिर किस काम में लगा था।

और इसी बीच दिल्ली से संघ पृष्ठभूमि वाले छह संगठनात्मक चेहरों को उत्तर प्रदेश के छह क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंप दी गई। दूसरे राज्यों से नेताओं की फौज यूपी में उतारने की तैयारी है। हर जिले और विधानसभा क्षेत्र में बाहरी अनुभवी नेताओं की तैनाती की बात हो रही है। इसे चुनावी तैयारी का सामान्य हिस्सा बताया जा सकता है लेकिन सवाल उठना लाजिमी है कि क्या दिल्ली को लखनऊ के मौजूदा संगठन पर पूरा भरोसा नहीं है? क्या प्रदेश नेतृत्व की निगरानी में चुनावी तैयारी पर्याप्त नहीं मानी जा रही? या फिर केंद्रीय नेतृत्व को लग रहा है कि 2027 की लड़ाई के लिए यूपी की मशीनरी को नए सिरे से कसना पड़ेगा?



यह है पांच सवाल

- **सवाल नम्बर एक:** 1.61 लाख से अधिक बूथ एजेंट होने के बावजूद इतनी बड़ी चूक कैसे हुई?
- **सवाल नम्बर दो:** एसआईआर के दौरान सपा के कार्यकर्ता भाजपा से ज्यादा सक्रिय क्यों दिखे?
- **सवाल नम्बर तीन:** अंतिम सूची प्रकाशित होने के महीनों बाद यह अंतर क्यों उठाया गया?
- **सवाल नम्बर चार:** अधिकारियों की लापरवाही पर सरकार ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की?
- **सवाल नम्बर पांच:** दिल्ली को यूपी में छह बाहरी संगठनात्मक चेहरे तैनात करने की जरूरत क्यों पड़ी?

पात्र हिंदू मतदाता सूची से बाहर हैं तो यह चूक किसकी

सबसे बड़ा सवाल हिंदू वोटों को लेकर है। अगर मुख्यमंत्री के दावे के मुताबिक बड़ी संख्या में पात्र हिंदू मतदाता सूची से बाहर हैं तो यह चूक किसकी है? प्रशासन की, चुनावी प्रक्रिया की, भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं की या फिर राजनीतिक विरोधियों की किसी चाल की? अभी किसी साजिश का प्रमाण सामने नहीं आया है लेकिन सवालों को दबाने से जवाब नहीं मिलेंगे। भाजपा को बताना होगा कि जिन मतदाताओं के नाम छूटने का दावा किया जा रहा है उनकी पहचान और सत्यापन का ठोस आधार क्या है। आखिर हिंदू वोटों की रखवाली का जिम्मा किसके पास था? एक तरफ सीएम योगी का सवाल दूसरी तरफ संगठन की जवाबदेही तीसरी तरफ दिल्ली की बढ़ती निगरानी और चौथी तरफ कार्यकर्ताओं की उदासीनता। उत्तर प्रदेश की चुनावी बिसात पर मोहरे सजने से पहले ही भाजपा के घर में हिसाब-किताब शुरू हो गया है। अब लड़ाई सिर्फ विपक्ष से नहीं अपनी ही कमजोरियों से भी है। सवाल यह नहीं कि 1.27 करोड़ वोटर कहां गए सवाल यह भी है कि जब वह जा रहे थे तब भाजपा के पहरेदार कहां थे।

भाजपा के लिए दोधारी तलवार बन गया है सीएम योगी का दावा

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम गायब होने का दावा भाजपा के लिए दोधारी तलवार बन गया है। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए चुनाव आयोग के सामने सवाल उठाया और पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने की अपील की। उनका कहना है कि पंचायत चुनाव की मतदाता सूची में जिन लोगों के नाम दर्ज हैं उनमें से बड़ी संख्या विधानसभा की मतदाता सूची में नहीं है। उन्होंने 66 लाख पंचायत मतदाताओं, 55 लाख सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों और 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के करीब 4.5 लाख युवाओं के नामों का हवाला दिया है। इस दावे ने भाजपा के भीतर एक असहज सवाल खड़ा कर दिया है। अगर इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम छूटे हैं तो पार्टी का संगठन क्या कर रहा था।

दिल्ली ने यूपी में उतारी संघ की फौज, लखनऊ को संदेश?

भाजपा के भीतर उठ रहे सवालों के बीच केंद्रीय नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक निगरानी बढ़ाने का फैसला किया है। संघ पृष्ठभूमि वाले छह संगठनात्मक सचिवों को प्रदेश के छह क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। काशी, गोरखपुर, अवध, कानपुर-बुंदेलखंड, पश्चिम और ब्रज क्षेत्र में दूसरे राज्यों से संगठन के अनुभवी चेहरे तैनात किए जा रहे हैं। इसके अलावा हर जिले और विधानसभा क्षेत्र में भी अनुभवी नेताओं को लगाने की योजना है।इन नियुक्तियों को चुनावी तैयारी और संगठनात्मक विकेंद्रीकरण का हिस्सा बताया जा रहा है। लेकिन राजनीति में फैसलों का संदेश भी पढ़ा जाता है। सवाल यह है कि जब उत्तर प्रदेश में पहले से प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री, क्षेत्रीय पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और बूथ स्तर तक पूरी व्यवस्था मौजूद है, तब बाहर से इतनी बड़ी संख्या में संगठनात्मक चेहरे बुलाने की जरूरत क्यों महसूस हुई?

दिल्ली की छह संगठनात्मक तैनातियां

काशी: एन. माधुकर, गोरखपुर: चंद्रशेखर, अवध: करमवीर, कानपुर-बुंदेलखंड : पवन साई, पश्चिमी यूपी : सतीश धोंड, ब्रज: अजय कुमार



जो जीतेगा, उसे मिलेगी सीट: अखिलेश यादव

» सीट शेयरिंग पर सपा अध्यक्ष का बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में सीट शेयरिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग पर कल मंगलवार 17 नवंबर को बैठक होनी है। इससे पहले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने स्पष्ट किया दोनों दल मिलकर गंभीरता से इस पर चर्चा करेंगे और जो जीतेगा उसे ही वो सीट जाएगी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मैनपुरी में पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस गठबंधन से सीट शेयरिंग पर खुलकर बात की। सपा मुखिया ने कहा कि हमारी और कांग्रेस पार्टी की बातचीत चलेगी, हम लोग बहुत गहराई से बात करेंगे। जो पहले मैंने कहा वो मैं फिर कहता हूं कि हम दोनों दल मिलकर ये तय करेंगे कि कौन जीतेगा, उस पर विचार करेंगे। जो जीतेगा वो सीट पाएगा। अखिलेश यादव का ये बयान ऐसे समय में आया है जब मंगलवार को सपा-कांग्रेस की सीट शेयरिंग को लेकर बैठक होने वाली है। ऐसे में उन्होंने साफ़ संकेत दिया है कि सीट बंटवारे को लेकर जल्द ही आगे की प्रक्रिया तेज की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने ये भी ज़ोर दिया कि जीतने वाले उम्मीदवार को तरजीह दी जाएगी।





कांग्रेस की यूपी में 181 सीटों की माँग

इससे पहले सपा अध्यक्ष ने एक कार्यक्रम के दौरान सीटों के बंटवारें को लेकर बड़ा खुलासा किया था। अखिलेश यादव ने बताया कि कांग्रेस ने यूपी में 181 सीटों की माँग की है। जिसके बाद प्रदेश के सियासी हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि कल दोनों दलों की होने वाली बैठक में ये तय होगा कि किसे कौन सीट दी जाएगी. ऐसे में ये देखने दिलचस्प होगा कि दोनों दलों में कितनी सीटों पर आपसी सहमति बनती है। अखिलेश यादव ने माना है कि दोनों दलों के बीच अच्छे संबंध हैं। वहीं यूपी कॉंग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने भी इस बात पर ज़ोर दिया कि दोनों दलों सपा और कॉंग्रेस के बीच रिश्ते ना केवल अच्छे हैं बल्कि बहुत ज्यादा अच्छे हैं और दोनों दल गठबंधन के सहयोगी के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां पूरी करेंगे।

संविधान बचेगा तो सम्मान बचेगा

आगरा में समाजवादी पार्टी के दलित महासम्मेलन में उमड़ी भीड़ को लेकर अध्यक्ष अखिलेश यादव बेहद उत्साहित नज़र आ रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि इस रैली से साबित हो गया है कि दलित समाज समाजवादी पार्टी के साथ है. अब पीडीए में डी का मतलब दमदार दलित हो गया है. आगामी चुनाव में सपा प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी। सपा चीफ अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आगरा की रैली की तस्वीरें शेयर करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि %आगरा के दलित महासम्मेलन में जुटे जन सैलाब को देखते हुए ये लगा कि ये रैली केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नहीं है बल्कि पूरे प्रदेश का दलित समाज एकत्र होकर यहाँ आ गया है।दलित समाज ने इस रैली से हमेशा के लिए एक संदेश दे दिया है कि इस बार 'दलित समाज' ही भाजपा और उनके संगी-साथियों के वर्चस्व को हमेशा के लिए दल देगा. हमारा मानना है कि अब पीडीए में 'डी' का मतलब 'दलित' से बढ़कर 'दमदार दलित' हो गया है. आगरा में 'पीडीए' ने एक और एलान कर दिया है, जो भाजपा के साथ है, पीडीएम उसके ख़िलाफ़ है! इस सम्मेलन में हम सबने 'संविधान और आरक्षण' बचाने का ये संकल्प भी दोहराया- संविधान बचेगा, तो सम्मान बचेगा। इस रैली की सफलता ने साबित कर दिया है कि 2027 में पीडीए सरकार आ रही है, जो 'सामाजिक न्याय का राज' लाएगी, हर भेदभाव मिटाएगी और सकारात्मक-प्रगतिशील विचारों से सबके मान-सम्मान, व्यक्ति की गरिमा व प्रतिष्ठा और सबकी तरक़्क़ी-खुशहाली को सुनिश्चित करनेवाला 'बंधु-राष्ट्र' बनाएगी।

सोनम वांगचुक 60 दिनों के लिए घर में नजरबंद

बोले- मेरी आवाज दबाने की कोशिश, लेह में सभा और जुलूस पर लगा कड़ा प्रतिबंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह। सोनम वांगचुक को 60 दिनों के लिए घर में नजरबंद कर दिया गया है और उनके किसी भी सार्वजनिक रैली या जुलूस में शामिल होने पर रोक लगा दी गई है। लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने यह आदेश उस घटना के एक दिन बाद जारी किया, जब लद्दाखी संगठनों के विरोध प्रदर्शन के बीच वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था। ये संगठन सरकार द्वारा 4 दिसंबर को हिल काउंसिल के चुनाव कराने के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

प्रशासन ने लेह पुलिस प्रमुख के एक पत्र और पुलिस रिपोर्ट का हवाला देते हुए वांगचुक की आवाजाही पर पाबंदी लगाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू की है। आदेश में कहा गया है, यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू होगा और 60 दिनों की अवधि तक जारी रहेगा। यह पाबंदी 4 दिसंबर को होने वाले लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद चुनावों से ठीक पहले लगाई गई है। वांगचुक और अन्य स्थानीय नेताओं का कहना है कि कड़ाके की सर्दी और मौसमी पलायन के कारण लद्दाख



के कई मतदाता वोट डालने से वंचित रह जाएंगे।आधिकारिक आदेश जारी होने से कुछ घंटे पहले ही सोनम वांगचुक ने दावा किया था कि उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया है और दर्जनों पुलिसकर्मियों ने उनके घर को घेर लिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वांगचुक ने लिखा, मैं घर में नजरबंद हूं। दर्जनों हथियारबंद गार्डों ने मेरे घर को घेर रखा है, जबकि सरकार का कहना है कि मुझे घर पर रहने की सलाह दी गई है। यह सब सिर्फ असहज करने वाले सवाल पूछने के लिए हो रहा है, जैसे कि पिछले साल लेह में हुई मौतों की न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट में देरी क्यों हो रही है और कड़ाके की सर्दी के बीच लोगों पर इतनी तेजी से दिखावटी काउंसिल चुनाव क्यों थोपे जा रहे हैं? उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पूरा लद्दाख विरोध कर रहा है और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में उनके एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब की पहुंच को काफी कम कर दिया गया है।

यूपी चुनाव मैदान में उतरेगी सीजेपी, दीपके ने बनाई टीम

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले राजनीतिक दल तो कमर कस ही रहे हैं, साथ ही खुद को प्रेशर ग्रुप बताने वाली अभिजीत दीपके की कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने भी तैयारी पूरी कर ली है। दरअसल, सीजेपी ने यूपी समेत 10 राज्यों में प्रभारी तैनात किए हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा उत्तर प्रदेश की है क्योंकि दीपके ने सबसे ज्यादा प्रभारी इसी राज्य में उतारे हैं। हालांकि, सीजेपी यह स्पष्ट कर चुकी है वो बतौर पॉलिटिकल पार्टी खुद को स्थापित नहीं कर रही है। यानी चुनाव नहीं लड़ेगी।



नहीं बढ़ेगी आजम खां की रिमांड

» वापस भेजे जाएंगे डासना जेल, करीबियों से फिर पूछताछ होगी

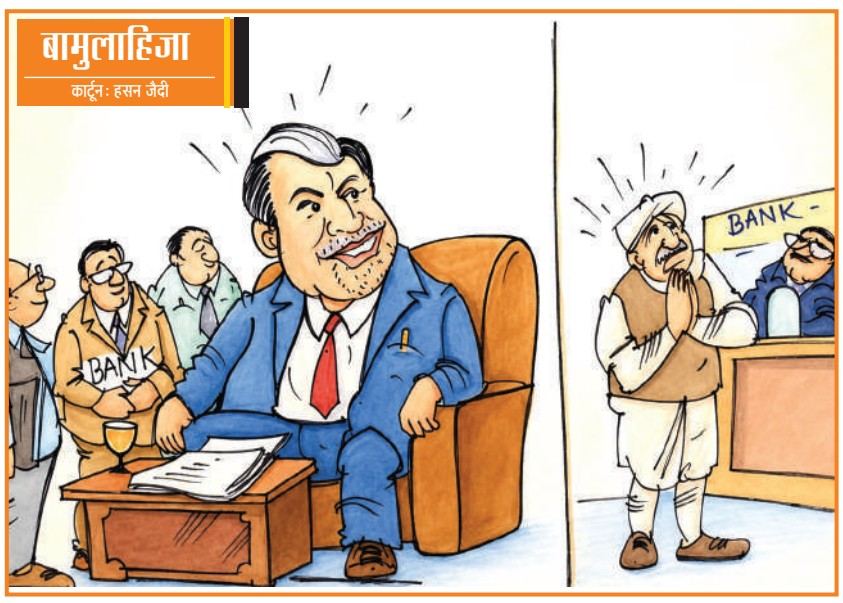
4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर की जौहर ट्रस्ट के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कस्टडी रिमांड पर सामना कर रहे पूर्व मंत्री आजम खां सोमवार को वापस जेल भेज दिए जाएंगे। ईडी ने उनकी कस्टडी रिमांड की अवधि बढ़ाने के लिए अदालत से अनुरोध नहीं करने का फैसला लिया है। सोमवार को ही आजम खां की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई भी होनी है।

बता दें कि सोमवार को आजम की कस्टडी रिमांड का आखिरी दिन है जिसके बाद उन्हें शाम 4:30 बजे वापस गाजियाबाद की डासना जेल में दाखिल करा दिया जाएगा। बीते तीन दिन तक चली पूछताछ के दौरान आजम से ईडी से करीब 200 सवाल किए, जिसके उन्होंने गोलमोल जवाब दिए। ईडी के आरोपों को वह लगातार खारिज करते रहे और ट्रस्ट द्वारा लिए गए फैसलों के बारे में अनभिज्ञता जताते रहे। वहीं शत्रु संपत्ति पर कब्जे के आरोपों को भी उन्होंने नकार



दिया और इसके लिए रामपुर के जिला प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। ईडी के अधिकारियों ने रविवार को भी उनसे लंबी पूछताछ की लेकिन वह हर सवाल के जवाब में खुद को पीड़ित और सारे घटनाक्रम को सियासी बदले की भावना से की गई कार्रवाई बताते रहे। उन्होंने उन ठेकेदारों से भी कोई सीधा संबंध होने से मना कर दिया जिन्होंने सरकारी काम के लिए मिली धनराशि को जौहर विश्वविद्यालय के भवनों के निर्माण में खपाया था और ट्रस्ट को चंदा दिया था। अब ईडी उनके करीबियों को दोबारा तलब करने की तैयारी में है जिसमें से कुछ को सरकारी गवाह भी बनाया जा सकता है ताकि आजम खां पर कानूनी शिकंजा कसने में आसानी हो।



सीट शेयरिंग पर मैं पुष्टि नहीं कर सकती: आराधना

मल्लिकार्जुन खरगे की मीटिंग से पहले यूपी कांग्रेस अध्यक्ष का बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक से पहले यूपी कांग्रेस चीफ आराधना मिश्रा मोना का बड़ा बयान आया है।

समाजवादी पार्टी के साथ सीट शेयरिंग और पार्टी की आंतरिक रणनीतियों के संदर्भ में होने वाली बैठक से पहले मोना ने कहा कि कल (17 नवंबर) हमारे गठबंधन की पहली बैठक है. समीक्षा होगी क्योंकि चुनाव नजदीक हैं. राष्ट्रीय अध्यक्ष और शीर्ष नेतृत्व इस



पर चर्चा करेंगे कि किस तरह से हमें गठबंधन को आगे लेकर जाना है। सीट शेयरिंग पर मोना ने कहा, जो भी सीटों का आंकड़ा है, इस पर मैं अपनी ओर से कोई पुष्टि नहीं कर सकती हूं क्योंकि हमारे शीर्ष नेतृत्व ने इस पर चर्चा की होगी। हां, हम प्रदेश के नेताओं से इनपुट मांगा गया था. मुझे लगता है कि कल जो बैठक होगी, उसके बाद हमारे सामने बेहतर स्थिति आएगी। जिस पर हम चर्चा कर पाएंगे. अभी सीटों की बात करना मुझे लगता है कि थोड़ी जल्दबाजी होगी।

राजस्थान से लेकर उत्तराखंड तक फिर नेताओं पर आरोपों की बौछार

भाजपा और कांग्रेस दोनों में सियासी मचमच

- जेनी-हरक सिंह रावत विवाद सुर्खियों में
- हनुमान बेनीवाल का वसुंधरा राजे पर आरोप
- बोले- पूर्व सीएम ने सोनिया गांधी के पैर पकड़ लिए थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



नई दिल्ली। राजस्थान से लेकर उत्तराखंड तक फिर नेताओं पर आरापों व विवादों की खबरें सियासी गलियरों में पसर रही है। ये खबरें भाजपा व कांग्रेस के नेताओं से जुड़ी हैं। पहली खबर उत्तरखंड से है। इसमे इंद्राणी देवरी उर्फ जेनी के 23 साल के बेटे का बाप कौन ? कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली जेनी ने अब असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा से मदद मांगी है। सीएम हिमंत ने भी उसे इंसाफ की लड़ाई में मदद का भरोसा दिया है।

जेनी असम की रहने वाली है, जानिए यह पूरा मामला क्या है? दुसरी खबर राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे से जुड़ा है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने चूरू की एक जनसभा में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और कांग्रेस नेताओं पर तीखा हमला बोला है। बेनीवाल ने आरोप लगाया कि दारिया एनकाउंटर मामले में वसुंधरा राजे ने सोनिया गांधी के पैर पकड़कर खुद को जेल जाने से बचाया। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस को बिना दूल्हे की बारात बताकर तंज कसा।

पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर गंभीर आरोप लगाए

उत्तराखंड प्रेस क्लब में 7 नवंबर को मूल रूप से असम की रहने वाली इंद्राणी देवरी उर्फ जेनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर गंभीर आरोप लगाए थे। गुवाहाटी में भी मीडिया से बातचीत में जेनी ने आरोपों को दोहराया। जेनी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने उसके साथ दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न किया था। उसने दावा किया कि उसके 23 वर्षीय बेटे पिता हरक सिंह रावत हैं। जेनी ने सरकार से डीएनए जांच की मांग की। जेनी ने 23 साल पुरानी अपनी कहानी भी बताई। उसने बताया कि वह 2002 में मॉडल बनने के लिए देहरादून आई थी। तब उसकी उम्र सिर्फ 16-17 साल थी। जब मॉडलिंग में काम नहीं मिला तो वह उस दौर में चलने वाले एसडीटी फोन बूथ पर काम करने लगी। उस एसडीटी बूथ आने वाले एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने रोजगार दिलाने का वादा किया। वह जेनी को हरक सिंह रावत के यमुना विहार स्थित आवास पर ले गया, जहां उसे नौकरी पर रख लिया गया।

वसुंधरा राजे पर भी किया हमला



सांसद बेनीवाल ने एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पर सियासी हमला बोला। बेनीवाल इससे पहले भी कई बार उन पर बयानबाजी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वसुंधरा राजे ने सोनिया गांधी के पैर पकड़ लिए, इसलिए दारिया एनकाउंटर मामले में बच गईं, वरना वे भी जेल जातीं। बेनीवाल ने आगे कहा कि मैं ही राजस्थान की सड़कों पर लोगों के लिए लड़ा हूं और अगर विधानसभा में वसुंधरा राजे को किसी का खौफ था, तो वह मैं ही था।

हनुमान बेनीवाल ने वसुंधरा राजे और गोविंद डोटासरा पर तंज कसा



राजस्थान में पंचायती राज चुनाव के बीच नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल के बयानों से सियासी हलचल मची हुई है। उन्होंने कांग्रेस पर फिर से बड़ा हमला करते हुए निशाना साधा है। बेनीवाल ने कहा कि कांग्रेस बिना दूल्हे की बारात है, जहां हर कोई मुख्यमंत्री बनना चाहता है। अपने इस बयान के माध्यम से उन्होंने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, सचिन पायलट और टीकाराम जूली पर भी जमकर हमला बोला।

डोटासरा ने भी बेनीवाल पर साधा था निशाना

इससे पहले राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने 11 नवंबर 2026 को सीकर के लक्ष्मणगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल पर तीखा तंज कसा था। इसमें डोटासरा ने आरएलपी के चुनाव चिह्न बोतल की तुलना शराब की बोतल से की थी। उन्होंने कहा था कि बोतल से तो राज-रजवाड़ों का राज चला गया और दारू की बोतल एक बार जिसने चख ली, वह दोबारा हाथ में कोनी ले। डोटासरा ने तंज कसते हुए कहा था कि नागौर में बात नहीं बनी, तो अब वे सीकर में बोतलें बांटने लगे हैं।

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने एंट्री ली



उत्तराखंड की राजनीति में जेनी- हरक सिंह रावत के चर्चित विवाद में अब असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने एंट्री ले ली है। असम के सीएम सरमा उत्तराखंड के कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली इन्द्राणी देवड़ी उर्फ जेनी से मिले। सीएम सरमा ने खुद ट्वीट कर बताया कि उत्तराखंड के हरक सिंह रावत नाम के शख्स ने जेनी के साथ जो किया वह बेहद गलत और निंदनीय है। किसी को भी उस तरह की अत्याचार नहीं झेलनी चाहिए जैसी उसने सही। मैं इंसाफ की इस लड़ाई में उनके साथ मजबूती से खड़ा हूं।

कांग्रेस को बताया बिना दूल्हे की बारात



पंचायती राज चुनाव को लेकर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के प्रचार के लिए लगातार कैंपेन कर रहे हैं। चूरू में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना दूल्हे की बारात है और वहां हर कोई मुख्यमंत्री बनना चाहता है। गोविंद सिंह डोटासरा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह गमछा हिलाने वाला कह रहा है कि मैं तो पक्का मुख्यमंत्री बनूंगा और लक्ष्मणगढ़ में शपथ लूंगा। इस दौरान बेनीवाल ने सचिन पायलट और टीकाराम जूली पर भी तंज कसते हुए उन्हें कांग्रेस में सीएम पद के लिए एक-दूसरे का प्रतिद्वंद्वी बताया।

हरक सिंह रावत दे चुके मानहानि के मुकदमे की धमकी

यौन उत्पीड़न के आरोपों पर कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत सफाई दे चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी उनकी छवि खराब करने के लिए षडयंत्र रच रही है। पूर्व मंत्री का कहना है कि जेनी ने उन पर जो आरोप लगाए हैं, वह पूरी तरह बेबुनियाद और निराधार हैं। उन्होंने दोषी पाए जाने पर राजनीति से संन्यास लेने की चुनौती भी दी। साथ ही रावत जेनी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करने की चेतावनी भी दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि 2003 में भी जेनी ने उन पर आरोप लगाया था। इन आरोपों की जांच सीबीआई ने की और डीएनए टेस्ट में भी उन्हें क्लीन चिट मिली थी। बाद में, कांग्रेस ने जेनी के बच्चे के पिता के नाम का खुलासा किया। उन्होंने सरकारी हॉस्पिटल के रिकॉर्ड के हवाले से बताया कि जेनी के बच्चे का पिता बबलू नाम का कोई आदमी है। हालांकि जेनी अपने आरोपों पर अड़ी हैं। मंगलवार को इंदिरा देवरी जैनी ने गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से मुलाकात की। उन्होंने न्याय पाने के लिए सीएम सरमा से मदद मांगी। सीएम हिमंता ने उन्हें मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा अत्याचार किसी के साथ नहीं होना चाहिए। मैं न्याय की इस लड़ाई में उनके साथ मजबूती से खड़ा हूं।

शरीर की जकड़न को दूर करेंगे ये योगासन



पूरे हफ्ते काम, घर और रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बीच शरीर को आराम देने और स्ट्रेच करने का समय कम ही मिल पाता है। ऐसे में रविवार को सिर्फ 15 मिनट अपने शरीर के लिए निकालना एक आसान शुरुआत हो सकती है। छुट्टी वाले दिन योगाभ्यास का यह छोटा-सा रूटीन शरीर को हल्का महसूस कराने और लंबे समय तक बैठे रहने के बाद मांसपेशियों को स्ट्रेच करने में मदद कर सकता है। इसके लिए आपको जिम जाने या किसी खास उपकरण की जरूरत नहीं है। एक योगा मैट और शांत जगह काफी है। आप सुबह उठने के बाद या दिन में अपनी सुविधा के अनुसार इन आसान और योगासन और स्ट्रेचिंग मूवमेंट्स को कर सकते हैं। शुरुआत हमेशा धीरे करें और शरीर की क्षमता के अनुसार ही स्ट्रेच करें। 15 मिनट के इस रूटीन में गर्दन, कंधे, पीठ, कमर, पैरों और कूल्हों को शामिल किया जा सकता है। इसे रविवार के अलावा सप्ताह के किसी भी दिन किया जा सकता है। अगर किसी आसन के दौरान दर्द या असहजता महसूस हो, तो तुरंत रुक जाएं।



अंजनेयासन

अंजनेयासन योग का एक बेहद प्रभावशाली आसन है। अंजनेयासन शब्द संस्कृत से लिया गया है जिसका अर्थ भगवान हनुमान की माता अंजनी के पुत्र (अंजनेय यानी हनुमान जी) से है। यह मुद्रा हनुमान जी की विनम्रता और समर्पण की भावना को दर्शाती है। आमतौर पर इसका अभ्यास सूर्य नमस्कार के चरणों के दौरान भी किया जाता है। इसे करने के लिए एक पैर को आगे लाकर घुटने को मोड़ें और दूसरे पैर को पीछे रखें। शरीर को सीधा रखते हुए कूल्हों और पैरों के आसपास हल्का स्ट्रेच महसूस करें। दोनों तरफ समान समय दें।

शवासन

इसे करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं और हाथ-पैरों को आराम की स्थिति में रखें। आंखें बंद करके सामान्य सांस लें। इस दौरान शरीर को पूरी तरह ढीला छोड़ने की कोशिश करें। इसके अलावा पश्चिमोत्तासन भी राहत देता है, इसके लिए पैरों को सामने फैलाकर बैठें और धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें। पैरों को छूने के लिए जोर न लगाएं। जितना आराम से संभव हो, उतना ही आगे जाएं।

बालासन

इसे करने के लिए घुटनों के बल बैठकर शरीर को आगे की ओर झुकाएं और माथे को मैट की तरफ लाएं। हाथों को आगे की ओर रखें। आराम से सांस लेते हुए कुछ देर इसी स्थिति में रहें। इसके अलावा अधोमुख श्वानसन भी राहत देता है, इसके अलावा हाथों और पैरों के सहारे शरीर को ऊपर उठाकर उल्टे V जैसा आकार बनाएं। एड़ियों को जमीन की ओर ले जाने की कोशिश करें, लेकिन जबरदस्ती न करें। कुछ सांसों तक इस स्थिति में रहें।

मार्जरासन-बिटिलासन

मार्जरासन-बिटिलासन जिसे अंग्रेजी में कैट-काउ पोज़ कहा जाता है, रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाने के लिए एक बेहद लोकप्रिय और कोमल योगासन है। यह वास्तव में दो अलग-अलग आसनों का एक प्रवाहमय संयोजन। सबसे पहले योग मैट पर दोनों घुटनों और दोनों हाथों के बल आ जाएं। सुनिश्चित करें कि आपकी हथेलियां कंधों के ठीक नीचे और घुटने कूल्हों के ठीक नीचे सीधे हों। लंबी गहरी श्वास अंदर भरें। अपनी नाभि और पेट को जमीन की तरफ नीचे जाने दें। रीढ़ की हड्डी को नीचे झुकाते हुए टेलबोन और सिर को ऊपर की ओर उठाएं और छत की तरफ देखें।



गर्दन और कंधों की स्ट्रेचिंग

गर्दन और कंधों की स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियों की जकड़न, थकान और डेस्क जॉब के कारण होने वाले दर्द से तुरंत राहत मिलती है। इन स्ट्रेचेस को नियमित रूप से करने से रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर का पोस्चर सुधरता है। इसके लिए सीधे बैठें या खड़े हों। अपनी ठुड्डी को छाती की तरफ झुकाएं। अब धीरे-धीरे अपनी गर्दन को घड़ी की दिशा में और फिर विपरीत दिशा में घुमाएं। इसी तरह अपने दाहिने हाथ को सिर के ऊपर से ले जाते हुए बाएं कान के पास रखें। अब धीरे से सिर को दाहिने कंधे की तरफ झुकाएं। इस दौरान बाएं कंधे को नीचे की ओर रखें ताकि अच्छा खिंचाव महसूस हो। 15-20 सेकंड रुकें और फिर दूसरी तरफ दोहराएं।

हंसना मना है

अर्थी से मुर्दा भी उस वक्त खड़ा हो गया जब पीछे से रोती हुई पत्नी बोली कि मैंने कभी भी उन्हें कोई तकलीफ नहीं दी...

पति- डॉक्टर ने चाय फीकी पीने को कहा है। पत्नी- अलग-अलग चाय नहीं बनाऊंगी, लड्डू खा कर पी लेना, फीकी लगेगी...पति बेहोश...

एक सर्वे में पुरुषों से पूछा गया, क्या 40 के बाद गर्लफ्रेंड रखनी चाहिए? 97 प्रतिशत पुरुषों का कहना था- नहीं, 40 गर्लफ्रेंड काफी होती हैं...

लड़का- शादी कर ले मुझसे! लड़की- क्यों? लड़का- मेरा बाप गांव का सबसे बड़ा आदमी है! शादी के बाद लड़की को पता चला कि लड़के का बाप 105 साल का है..

पत्नी- फोन पर इतनी धीमी आवाज में किस से बात कर रहे हो? पति- बहन है! पत्नी- तो फिर इतनी धीमी आवाज में किसलिए? पति- तेरी है इसलिए! फिर बीवी ने कुछ ऐसा किया जिसके कारण चार दिन तक पति की आवाज सुनाई नहीं दी।

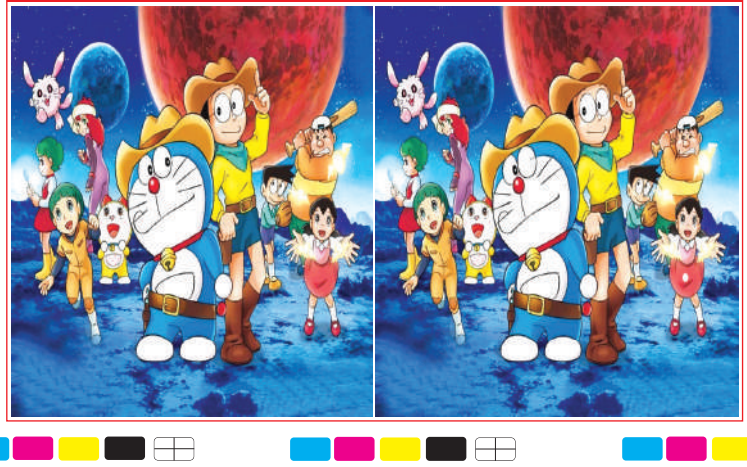
पप्पू- गप्पू से, तुम चाय पीने के लिए किस हद तक जा सकते हो? गप्पू- एक बार तो लड़की तक देखने चला गया था...

कहानी | नटखट परी और जादुई गुफा

एक समय की बात है एक बहुत ही नटखट परी थी। वह पूरी दुनिया देखना चाहती थी। यह सोचकर वह अपने सभी लोगों से अलग हो गई। वह हर दिन बहुत दूर-दूर तक जाती और नए लोग व नई दुनिया देखती थी। एक दिन वह उड़ती हुई एक घर के पास पहुंची। वहां पर वह खिड़की के पास छिप गई। उसने देख उस घर में एक लड़का अपनी मां से जिद्द कर रहा था कि उसे परी देखना है। उसकी मां उसे समझा रही थी कि परियां सिर्फ आसमान में रहती हैं। जब आसामान पूरी तरह से साफ हो जाए, तब तुम उन्हें देख सकते है। अभी रात हो गई है सो जाओ और सुबह जब आसामन साफ होगा तो परी को देख लेना। मां की बात सुनकर वह लड़का सोने लगता है, लेकिन इसे नींद नहीं आती है। तभी खिड़की पर उसे नटखट परी दिखाई देती है। वह उसे घर के अंदर लेकर आता है। उसने देखा वह नटखट परी बहुत ही छोटी है। दोनों साथ में खेलने लगते हैं। नटखट परी उसे अपना जादू दिखा रही थी और वह लड़का भी खुश होकर नाचता। तभी लड़के के कमरे इस तरह की शोर सुनकर वहां पर उसकी मां आने लगती है। लड़का नटखट परी से कहता है कि अब तुम्हें यहां से जाना होगा। मेरी मां आ रही हैं। लड़के की बात सुनकर नटखट परी वहां से उड़ जाती है और लड़का चुपचाप लेटकर सोने का नाटक करने लगता है। जब मां ने दरवाजा खोला तो देखा उसका बेटा तो सो रहा है। उसने सोचा उसे कोई भ्रम हुआ होगा और वह भी अपने कमरे में सोने चली गई।

कहानी से सीख - हर किसी में एक नटखट और शरारती पन छिपा होता है। फिर चाहे कोई बच्चा हो या कोई बड़ा आदमी।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रविवार का दिन नई योजनाओं की रूपरेखा बनाने में बीतेगा। व्यापारिक निर्णयों पर विचार करें, नया विचार सूझेगा। परिवार के साथ सुखद और आनंददायक समय बीतेगा।

वृषभ नए सप्ताह की योजनाएं आज ही तैयार करना हितकर रहेगा। व्यापार में शांत मन से लिए फैसले लाभ देंगे। जीवनसाथी का पूरा सहयोग और प्रेम मिलेगा।

मिथुन बौद्धिक क्षमता से नई दिशा में सोचने की प्रेरणा मिलेगी। ऑनलाइन या नए तरीकों से व्यापार में लाभ होगा। मित्रों के साथ बातचीत से मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क लंबित काम पूरे होने से दफ्तर की चिंता दूर होगी। व्यापार में भविष्य की रणनीतियां तैयार करें। परिजनों के साथ खुशनुमा पल व्यतीत होंगे। आर्थिक तनाव दूर होगा।

सिंह व्यापारिक सौदों में लाभ के योग स्पष्ट हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता और सौहार्द रहेगा। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा, नए प्रोजेक्ट्स की सोचेंगे।

कन्या अपनी प्राथमिकताओं को तय करके रणनीति बनाएं। व्यापार में पुराने बकाए वसूलने के लिए दिन अच्छा है। परिजनों के साथ रिश्ते मजबूत और मधुर रहेंगे।

तुला आगामी समय की योजनाओं को अंतिम रूप दें। साझेदारी के काम में नया लाभ देखने को मिलेगा। पारिवारिक वातावरण शांतिपूर्ण और आनंदमय रहेगा।

वृश्चिक दफ्तर की चिंताएं छोड़कर मानसिक विश्राम करें। नए संपर्कों से व्यापारिक फायदा पहुंचेगा। परिवार का पूरा समर्थन हिम्मत बढ़ाएगा। गैर-जरूरी खर्च न करें।

धनु नए कौशल सीखने और खुद को बेहतर बनाने की सोचेंगे। व्यापार में नया निवेश मनमुताबिक फायदा देगा। संतान के कार्यों से मन हर्षित रहेगा।

मकर आगामी सप्ताह की कार्यसूची बनाकर तैयारी करें। व्यापारिक कागजातों को संभालकर निपटाएं। परिजनों के साथ समय बिताना मन को खुशी देगा।

कुम्भ अनौपचारिक चर्चाओं से भी काम की बात निकल सकती है। व्यापार में बनाई गई योजनाएं सफल रहेंगी। मित्रों का सहयोग हर कदम पर संबल देगा।

मीन रचनात्मक विचारों से कार्य में नयापन लाने की सोचेंगे। व्यापारिक विस्तार के नए रास्ते खुलेंगे। परिवार में खुशनुमा और आनंददायक माहौल रहेगा।

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के बाद दो स्टार्स को मिली वाई प्लस श्रेणी की सिक्योरिटी



टाइगर श्रॉफ मामले के बाद मुंबई पुलिस ने कम से कम दो बड़े बॉलीवुड सितारों की सुरक्षा बढ़ाकर Y-प्लस श्रेणी की कर दी है। इसके अलावा, 18 अक्टूबर को एक्टर टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले और लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से मिल रही धमकियों के मद्देनजर दो स्टार्स की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह बॉलीवुड हस्तियों की सुरक्षा की व्यापक समीक्षा का हिस्सा है। कई एजेंसियां उन लोगों के लिए खतरे का आकलन कर रही हैं जिन्हें पहले से सुरक्षा मिली हुई है, साथ ही उन अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है जिन्हें नई सुरक्षा की जरूरत हो सकती है।

सुरक्षा बढ़ाने के इन उपायों में सुरक्षा श्रेणियों को अपग्रेड करना (जिसमें मुख्य रूप से सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ाई जाती है), सुरक्षा श्रेणी बदले बिना अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करना और यात्रा मार्गों पर नजर रखना शामिल है। गैंग के निशाने पर आए एक्टर्स के कुछ परिजनों और सहयोगियों को भी सुरक्षा मुहैया कराई गई है।

18 अक्टूबर की शाम को, जब टाइगर श्रॉफ की कार जुहू के पुष्पा पार्क के पास एक फुटबॉल मैदान से निकली, तो उन पर गोलियां चलाई गईं। मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों ने एक्टर पर कम से कम तीन राउंड फायरिंग की। हालांकि टाइगर श्रॉफ को कोई चोट नहीं आई, लेकिन उनके ड्राइवर और एक ऑटो-रिक्शा चालक घायल हो गए। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विदेश में बैठे दो सदस्यों से जुड़ा एक ऑडियो मैसेज सामने आया है, जिसमें उन्होंने इस हमले की जिम्मेदारी ली है और श्रॉफ को सलमान खान के साथ काम न करने की चेतावनी दी है।

मुफलिसी से जूझ रहे शरद कपूर को हॉलीवुड फिल्म में मिला काम



फिल्म जोश में अपनी दमदार भूमिका से पहचान बनाने वाले अभिनेता शरद कपूर इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह अपनी तबीयत ठीक नहीं रहने के कारण अपने पालूत डॉग्स को एक एनजीओ की देखरेख में भेजते नजर आए थे। इसके बाद एनजीओ प्रतिनिधि ने वीडियो पोस्ट किया। उसमें शरद ने खुलकर बताया कि वह डिप्रेशन से जूझ रहे हैं और पिछले दो साल से बिस्तर पर हैं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के लोगों से भावुक अपील करते हुए कहा है कि उन्हें काम और आर्थिक मदद की जरूरत है, ताकि वह दोबारा अपने पैरों पर खड़े हो सकें। इसी बीच अब एक अच्छी खबर सामने आई है। अभिनेता ने बताया कि उन्हें एक हॉलीवुड फिल्म का ऑफर मिला है।

शरद कपूर ने बताया कि उन्हें एक हॉलीवुड फिल्म का ऑफर मिला है और वो जनवरी में इसकी शूटिंग भी शुरू करने वाले हैं। अभिनेता ने कहा, मुझे एक हॉलीवुड फिल्म का ऑफर मिल चुका है, जिसकी शूटिंग मैं जनवरी में शुरू करूंगा। इसके साथ ही मैं बॉलीवुड की फिल्मों में भी काम करता रहूंगा। ये मेरा देश है। जैसे ही मैं दो महीने में पूरी तरह ठीक हो जाऊंगा, सब कुछ फिर से पटरी पर आ जाएगा। एनजीओ की प्रतिनिधि ने वीडियो में शरद की हालत के बारे में बताते हुए कहा कि अभिनेता पिछले काफी समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं। उन्हें दिमाग से जुड़ी समस्या हुई थी और उनका पैर भी टूट गया था। उनकी हालत ऐसी हो गई थी कि वह ठीक से कुछ खा भी नहीं रहे थे और न ही अपनी दवाइयां ले रहे थे। यहां तक कि उन्हें ठीक से बोलने में भी परेशानी हो रही थी। उन्होंने यह भी बताया कि शरद करीब दो साल से बिस्तर पर थे।

गौरव खन्ना-श्रद्धा आर्या के शो दिल की बेवफाइयां के प्रोमो ने बढ़ाया फैंस का उत्साह



गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या स्टार प्लस के आने वाले शो दिल की बेवफाइयां में एक साथ नजर आएंगे। शनिवार, 14 नवंबर को इसका एक नया प्रोमो जारी किया गया। इसमें मानव और जानकी को शादी, रोमांस और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बारे में बातचीत करते हुए दिखाया गया है। यह शो 24 नवंबर 2026 को रात 9 बजे शुरू होगा।

इस शो की कहानी शादी के 20 साल बाद मानव और जानकी के जीवन पर आधारित है। कभी अच्छे दोस्त रहे इस जोड़े ने अपना परिवार बसाने में कई साल लगा दिए, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी और घरेलू जिम्मेदारियों ने उनके रिश्ते पर असर डाला है।

एक तरफ जहां जानकी उनके बीच के रोमांस को फिर से जगाने की कोशिश करती है, वहीं मानव पारिवारिक जिम्मेदारियों में उलझा हुआ लगता है और उसे ऐसा महसूस होता है कि उसकी अपनी निजी जिंदगी अधूरी रह गई है। प्रोमो की शुरुआत में जानकी (श्रद्धा आर्या) से होती है जिसमें वो मानव (गौरव खन्ना) से कहती है कि वह उसके बालों में हेयर कलर लगा दे। फिर वह सुझाव देती है कि मानव को भी अपने बालों में कलर कर लेना चाहिए, क्योंकि अच्छा दिखने से इंसान को अच्छा महसूस होता है। मानव की सोच कुछ अलग है। वह जानकी से कहता है कि यह बात तब तो ठीक लगती थी जब वे छोटे थे, लेकिन अब तो उनकी बड़ी बेटी की शादी हो रही है।



शूटिंग के दौरान गंदी हरकतों का शिकार हुई थीं स्वरा भास्कर



स्वरा भास्कर एक बार फिर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि साल 2011 में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। उस वक्त वह फिल्म इंडस्ट्री में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही थीं। ऐसे में न तो उनके पास अपनी कोई पर्सनल टीम थी और न ही कोई ऐसा करीबी था, जिसे वह अपनी परेशानी बता सकें। करियर की शुरुआत में मिले इस अनुभव को स्वरा उस समय ठीक से समझ भी नहीं पाई थीं। हालांकि, कई साल बाद मीटू मूवमेंट के दौरान दूसरी महिलाओं के अनुभव पढ़ने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ जो हुआ था, वह भी यौन उत्पीड़न ही था।

दरअसल, द फ्री प्रेस जर्नल के साथ बातचीत में स्वरा ने मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में फिल्म की आउटडोर शूटिंग के दौरान हुई घटना को याद किया। एक्ट्रेस के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर ने उनके साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार किया था। उस समय वह यह समझ नहीं पाई थीं कि यह वर्कप्लेस पर होने वाला यौन उत्पीड़न है, क्योंकि डायरेक्टर ने उन्हें शारीरिक रूप से छुआ नहीं था।

स्वरा ने कहा, मुझे उस समय यह समझ ही नहीं आया कि यह वर्कप्लेस पर होने वाला यौन उत्पीड़न है। मैंने इसे यौन उत्पीड़न के तौर पर पहचाना ही नहीं, क्योंकि उस शख्स ने मेरे साथ कोई शारीरिक संपर्क नहीं किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि उस समय वह फिल्म तनु वेड्स मनु में नजर आई थीं और इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही थीं।

स्वरा ने बताया कि फिल्म का शूटिंग शेड्यूल 56 दिनों का था और शूटिंग शुरू होने के कुछ ही दिनों बाद कथित तौर पर उनके साथ यह सब होने लगा था। हालांकि, वह फिल्म छोड़ना नहीं चाहती थीं, क्योंकि उन्हें अपने करियर की चिंता थी। वह नहीं चाहती थीं कि इस वजह से उनके हाथ से काम करने का एक अच्छा मौका निकल जाए।

उन्होंने कहा, मैं यह प्रोजेक्ट नहीं छोड़ना चाहती थी। मैं काम नहीं खोना चाहती थी। मेरे अपने सपने और महत्वाकांक्षाएं भी हैं, है ना? और इसमें गलत क्या है? एक्ट्रेस ने बताया कि कई साल बाद जब मीटू मूवमेंट के दौरान महिलाओं ने अपने साथ हुए यौन उत्पीड़न के अनुभव साझा किए, तब उन्हें अपनी उस घटना को नए नजरिए से देखने का मौका मिला। दूसरी महिलाओं की कहानियां पढ़ने के बाद उन्हें समझ आया कि उनके साथ जो हुआ था, वह भी उत्पीड़न का एक उदाहरण था।



क्रिकेटर दीपक चाहर के घर बजेगी शहनाई

क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर आज अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. मालती 36 साल की हो गई हैं। मालती के बर्थडे पर दीपक चाहर ने अपनी खास पोस्ट से बहन के जन्मदिन को यादगार बना दिया है। दीपक चाहर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बहन मालती संग एक फन वीडियो शेयर किया है।

दरअसल, मालती फोन पर किसी से बात कर रही होती हैं, तभी दीपक पीछे से जाकर उन्हें डरा देते हैं। ऐसे में मालती की चींखें निकल जाती हैं। लेकिन फिर वो हंसने लगती हैं। वीडियो में बहन-भाई का खूबसूरत बॉन्ड देखते ही बनता है। दोनों फन मूड में नजर आए। भाई-बहन के मस्तीभरे अंदाज ने लोगों के दिल जीत लिए हैं। लेकिन वीडियो से भी ज्यादा बहन मालती के लिए दीपक चाहर का कैप्शन लोगों का ध्यान खींच रहा है। दीपक चाहर ने कैप्शन में बहन के लिए दूल्हा ढूंढने की बात कही है। दीपक चाहर ने लिखा- हैप्पी बर्थडे सिस्टर मालती चाहर... भगवान इस साल आपको एक अच्छा पति दे। दीपक चाहर की पोस्ट पर फैंस भी मालती को बर्थडे विश कर रहे हैं और उन्हें बेस्ट ब्रदर-सिस्टर बता रहे हैं। वहीं, फैंस उनसे ये भी पूछ रहे हैं कि क्या सचमें मालती इस साल शादी कर रही हैं?

मालती चाहर ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कई सारी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करके खुद को बर्थडे विश किया है। मालती बेहद स्टाइलिश और सिजलिंग लग रही हैं। उनके किलर अंदाज पर फैंस दिल हार रहे हैं। बता दें कि मालती एक्ट्रेस होने के साथ एक डायरेक्टर भी हैं। वो मिस इंडिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भी पार्टिसिपेट कर चुकी हैं। मालती, सलमान खान के शो बिग बॉस में भी नजर आ चुकी हैं। उनकी बिग बॉस जर्नी चर्चा में रही थी।

सवाल पूछने वालों को देशद्रोही बताना लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी

» 'कहां जनमत-कितना जनहित' परिचर्चा में सत्ता, मीडिया और लोकतंत्र

» वरिष्ठ पत्रकारों के तीखे सवाल, बोले- असहमति और सवालों के बिना लोकतंत्र अधूरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। 'जहां ऊंचे पदों पर बैठे व्यक्ति से बिना डर और हिचक के सवाल पूछा जा सके, वहीं लोकतंत्र सुरक्षित है।' इसी सवाल और चिंता के साथ स्टेट प्रेस क्लब मध्यप्रदेश द्वारा रविवार को अभिनव कला समाज इंदौर में आयोजित परिचर्चा 'कहां जनमत,कितना जनहित' में देश के वरिष्ठ पत्रकारों ने लोकतंत्र, सत्ता, विपक्ष और मीडिया की मौजूदा भूमिका पर खुलकर अपनी बात रखी। वक्ताओं ने कहा कि सत्ता से सवाल करने वालों को डराना, धमकाना या देशद्रोही बताना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत है। कार्यक्र म की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। वरिष्ठ पत्रकार पंकज क्षीरसागर ने विषय का परिचय दिया। स्टेट प्रेस क्लब मध्यप्रदेश के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने स्वागत भाषण दिया, जबकि संचालन वरिष्ठ पत्रकार संजीव श्रीवास्तव ने किया।

पहले वक्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक आशुतोष ने पत्रकारिता के पुराने दौर का उल्लेख करते हुए कहा कि नवभारत टाइम्स को पढ़ना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था और उस समय निष्पक्ष एवं निस्वार्थ पत्रकारिता की मजबूत परंपरा थी। उन्होंने कहा कि राजेंद्र माथुर जैसे पत्रकारों की पत्रकारिता इस बात की मिसाल थी कि अखबार का काम अपनी विचारधारा पाठकों पर थोपना नहीं, बल्कि निष्पक्षता के साथ जनता के सवाल सामने रखना है। उन्होंने कहा कि गांधी, नेहरू और बाबा साहेब के मूल्यों का निचोड़ संविधान में मिलता है। मतभेद के बावजूद साथ चलना ही लोकतंत्र है और लोकतंत्र की असली कसौटी अल्पसंख्यक के अधिकारों की सुरक्षा है। आशुतोष ने कहा कि जब विपक्ष और सवाल पूछने वालों को देशद्रोही बताने की कोशिश होने लगे, जब अपनी आस्था दूसरों पर थोपी जाए, दूसरे धर्म के प्रति नफरत बढ़े और बोलने पर मुकदमे का डर सताने लगे, तब समझना चाहिए कि लोकतंत्र की मूल भावना कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा कि समाज वही भाषा और वही आचरण अपनाने लगता है, जिसे वह बार-बार सुनता और देखता है। झूठ को सौ बार सुनते-सुनते सच का सामना करने की हिम्मत कमजोर हो जाती है।



निष्पक्ष पत्रकारिता विचारधारा थोपने का माध्यम नहीं : आशुतोष

असहमति लोकतंत्र की ताकत, गैर-संवैधानिक काम को 'मास्टर स्ट्रोक' कहना गलत : विनोद अग्निहोत्री

वरिष्ठ पत्रकार विनोद अग्निहोत्री ने कहा कि लोकतंत्र, लोकराज से चलता है, जहां बहस, शास्त्रार्थ, डिबेट, असहमति और सवाल पूछने की आजादी होती है। उन्होंने कहा कि बहुत मजबूत सरकार भी कई बार असुविधा पैदा करती है। उन्होंने इंदिरा गांधी के समय के आपातकाल और नरेन्द्र मोदी कार्यकाल में नोटबंदी का उदाहरण देते हुए कहा कि गैर-संवैधानिक गतिविधियों एवं अनुचित फैसले थोपने को 'मास्टर स्ट्रोक' बताना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि युवाओं के आंदोलन के पीछे विदेशी ताकतों की साजिश बताई जाती है तो सरकार उन साजिशकर्ताओं को पकड़ क्यों नहीं पाती? सरकार आपकी है, आपको किसने रोका है? मीडिया की स्थिति पर उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि सत्ता मीडिया को गाय समझती है–दूध भी पीना चाहती है, लेकिन दूध न देने पर उसे मारने का प्रयास भी करती है। उन्होंने कहा कि डराना-धमकाना और विज्ञापन के माध्यम से दबाव बनाना सत्ता की आदत नहीं बनना चाहिए। उन्होंने 'रामराज' का उल्लेख करते हुए कहा कि उसकी पहली शर्त यही होगी कि यदि शासक कोई गलत निर्णय ले तो जनता उसे रोक सके, सही रास्ता बता सके और उसके निर्णय के खिलाफ आवाज उठा सके। गैर-संवैधानिक कार्यों पर सवाल उठाना लोकतंत्र है।





सच का आईना दिखाते रहेंगे सत्ता की आंखों में आंख डालकर सवाल पूछेंगे : जयशंकर गुप्त

परिचर्चा के अंतिम वक्ता देश के वरिष्ठ पत्रकार जयशंकर गुप्त ने सत्ता और सरकारी संस्थाओं की भूमिका पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने देश के लगभग सभी बड़े जेल देख लिए हैं, अब तिहाड़ ही बाकी है। इसके बावजूद सरकार के खिलाफ बोलने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को डराया जा सकता है, जेल भेजने का भय दिखाया जा सकता है, लेकिन सच का आईना दिखाने और सत्ता की आंखों में आंख डालकर सवाल पूछने का काम बंद नहीं होगा। गुप्त ने आरोप लगाया कि सरकारी संस्थाओं का जिस तरह इस्तेमाल किया जा रहा है और विपक्ष तथा सवाल पूछने वालों पर दबाव बनाया जा रहा है, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का काम सत्ता के साथ खड़ा होना नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल करना और जनता के सामने सच रखना है। गुप्त ने हाल ही में बाजार में आयी उनकी अपनी पुस्तक, 'आपातकाल से अमृतलाल' की विषयवस्तु से इंदौर के सुधि पाठकों को अवगत कराया। पुस्तक को कैसे एक दस्तावेज का स्वरूप दिया, क्या कठिनाइयां पेश आयीं, कैसे ये पूर्ण हुई और क्यों इस पुस्तक को लोग पढ़ें, इस बारे में भी अपने विचार रखे। पूरी परिचर्चा में एक बात प्रमुखता से सामने आई कि लोकतंत्र केवल बहुमत का नाम नहीं है। लोकतंत्र में असहमति के लिए जगह, विपक्ष की आवाज, मीडिया की स्वतंत्रता और सत्ता से सवाल पूछने का अधिकार अत्यधिक जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में स्टेट प्रेस क्लब के मुख्य महासचिव नवनीत शुक्ला ने अतिथि और मेहमानों का आभार व्यक्त किया। परिचर्चा में बड़ी संख्या में पत्रकारों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की मौजूदगी रही।

छठ पर्व पर यमुना में दिखी झाग, लगी सियासी आग

» आप ने भाजपा की रेखा सरकार को घेरा

» एआई नहीं, यह यमुना है बनाम रेड कार्पेट के दावे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छठ महापर्व का चार दिवसीय उत्सव समाप्त हो गया है। पर यमुना में तैरते प्रदूषित रूपी झाग को लेकर सियासी घमासान मच गया है। इसको लेकर आप और भाजपा में सोशल मीडिया पर जुबानी जंग तेज हो गई है। एक तरफ बीजेपी की ओर से आरोप लगाया जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने अपने कार्यकाल में नदी किनारे होने वाले रीति-रिवाजों पर रोक लगाई थी।

साथ ही आप पर अब राजनीति करने का भी आरोप लगाया है। वहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर लिखती हैं कि दिल्ली की आज की सुबह कितनी अलौकिक, कितनी दिव्य और कितनी सुंदर है। जैसे यमुना के पावन तट पर पूरा पूर्वांचल उतर आया हो। हाथी घाट पर हजारों पूर्वांचली परिवारजनों और छठव्रतियों के साथ उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने का सौभाग्य मिला।



जहरीली यमुना में छठ मनाने को मजबूर श्रद्धालु : भारद्वाज

आम आदमी पार्टी ने अपने ऑफिशियल अकाउंट पर यमुना का वीडियो शेयर करते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है। आप ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि यह एआई जनरेटेड वीडियो नहीं है, बल्कि यमुना का हकीकत में ऐसा हाल है। जारी वीडियो में यमुना में प्रदूषित रूपी झाग दिख रहे हैं। जहरीली यमुना, सफेद झाग और उसमें छठ मनाने को मजबूर श्रद्धालु! रेखा गुप्ता जी, क्या आपको शर्म आती है?

भक्त राष्ट्रीय राजधानी में मौजूदा तैयारियों से खुश हैं : मनोज

दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी ने यमुना नदी के पानी की क्वालिटी पर विपक्ष की आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि भक्त राष्ट्रीय राजधानी में मौजूदा तैयारियों से खुश हैं। छठ पूजा मनाने के लिए अब तो व्यवस्था बहुत अच्छी है, लेकिन 2 साल पहले हालत ठीक नहीं थी। 2 साल पहले दिल्ली में यमुना घाट पर छठ पूजा मनाने पर रोक लगा दी गई थी।

विदाई पर नम थीं आंखें, तबादले पर खिले चेहरे!

» अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव का संतकबीर नगर तबादला

» कर्मचारी नेता शशि कुमार मिश्रा ने लगाए कर्मचारी हितों की अनदेखी के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त पंकज कुमार श्रीवास्तव का शासन ने तबादला कर उन्हें संतकबीर नगर में वित्त एवं राजस्व की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके तबादले के बाद नगर निगम कर्मचारियों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। कर्मचारियों के हितों को लेकर आवाज उठाने वाले कर्मचारी नेता एवं प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा ने उनके तबादले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अच्छा हुआ कि उनका तबादला कर दिया गया।

गौरतलब है कि इससे पहले भी पंकज श्रीवास्तव का लखनऊ नगर निगम से तबादला हुआ था, लेकिन कुछ समय बाद उनकी दोबारा नगर निगम में वापसी हो गई थी। वापसी के बाद उन्हें फिर वही विभाग



आवंटित कर दिए गए थे, जिनकी जिम्मेदारी वह पहले अपर नगर आयुक्त के पद पर रहते हुए संभाल रहे थे।इस बार उनके संतकबीर नगर तबादले पर कर्मचारी नेता शशि कुमार मिश्रा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंकज श्रीवास्तव का रवैया कर्मचारियों के हित में नहीं था। उनके कार्यकाल में कर्मचारियों के हितार्थ कोई उल्लेखनीय काम नहीं किया गया। हर काम में अड़ंगेबाजी के चलते कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। शशि कुमार मिश्रा ने कहा कि एक समय ऐसा था जब पंकज श्रीवास्तव को ईमानदार अधिकारी के रूप में देखा जाता था।

राधिका अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, 2 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। पटकापुर स्थित राधिका अपार्टमेंट में सोमवार तड़के पार्किंग में खड़े दोपहिया वाहनों में आग लगने से पूरी बिल्डिंग में काला जहरीला दमघोंटू धुआं भर गया।

इस हादसे में जितेंद्र साहू की 45 वर्षीय पत्नी राखी साहू और अनिल कुमार बाथम के 16 वर्षीय बेटे प्रांजल बाथम की उर्सुला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। वैभव और मीता का इलाज चल रहा है।

अजित पवार की मौत की सीबीआई जांच हो

» राकांपा)-एसपी विधायक ने गृहमंत्री को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरदचंद्र पवार (शप) के विधायक रोहित पवार ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अजित पवार की मौत के मामले की जांच सीबीआई से कराने और पुणे रिंग रोड का नाम उनके (अजित के) नाम पर रखने की घोषणा करने की अपील की। अजित पवार का इस साल एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया था।

रोहित पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि शाह सोमवार को पुणे जिला परिषद कार्यालय में अजित पवार की प्रतिमा का अनावरण करने वाले हैं। उन्होंने दिवंगत नेता की प्रतिमा स्थापित करने की पहल का समर्थन करने वाले जिला परिषद के नेताओं का आभार जताया। विधायक ने सवाल किया कि राज्य सरकार में मंत्री पद पर बैठे लोग पुणे रिंग रोड का नाम उनके नाम पर रखने की मांग क्यों नहीं कर रहे।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा